



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 353]
No. 353]नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 30, 2002 / अवाना 8, 1924
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 30, 2002 / AVANA 8, 1924

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(भारतीय मानक ब्यूरो)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2002

सा.का.नि. 531(अ).— भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम 1986 (1986 का 63) की धारा 38 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय मानक ब्यूरो की कार्यकारिणी समिति, केन्द्र सरकार के पूर्व अनुमोदन से भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 में और संशोधन करने के एतद्वारा निम्नलिखित विनियमों को बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन विनियमों को भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) संशोधन विनियम, 2002 कहा जाएगा ।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे ।
2. भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 में (जिन्हे इसके बाद उक्त विनियम कहा गया है),

(1) विनियम 2 के बाद शीर्षक 'लाइसेंस (गुणता पद्धति तथा पर्यावरण प्रबंध पद्धति को छोड़कर) प्रदान करने तथा उसका नवीकरण करने की पद्धति, शर्तें तथा शुल्क की दरें' के लिए निम्नलिखित शीर्षक प्रतिस्थापित किया जाएगा :-

'लाइसेंस (प्रबंध पद्धतियों को छोड़कर) प्रदान करने तथा उसका नवीकरण करने की पद्धति, शर्तें तथा शुल्क की दरें'

(2) उक्त विनियमों में, विनियम 5 में -

क) उप-विनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित यह उपविनियम होगा :-

'(5)(क) ब्यूरो द्वारा स्वीकृत किसी भी लाइसेंस को ब्यूरो रद्द कर सकता है, यदि वह इसको लेकर संतुष्ट है कि -

- (i) लाइसेस के अंतर्गत मानक मुहर अंकित वस्तुएँ संबंधित भारतीय मानक अथवा मानकों के अनुरूप नहीं हैं; अथवा
- (ii) लाइसेंसधारी ने उस प्रक्रिया के लिए मुहर का उपयोग किया है जो संबंधित भारतीय मानक अथवा मानकों से संबंधित न हो; अथवा
- (iii) निरीक्षण अधिकारी को लाइसेंसधारी वह उपयुक्त सुविधाएँ प्रदान करने में विफल रहा हो, जो अधिकारी को साँपी गई डंधूटी को पूरा करने के लिए आवश्यक है; अथवा
- (iv) लाइसेंस की शर्तों एवं नियमों का अनुपालन न किया हो।
- ख) लाइसेंसधारी के अनुरोध पर व्यूरो लाइसेंस को निरस्त कर सकता है यदि उसके परिसर में निम्नलिखित के कारण प्रचालन कार्य न किया जा रहा हो :
- प्राकृतिक आपदाएँ जैसे बाढ़, आग, भूकम्प इत्यादि;
 - लाइसेंसधारी के प्रबंध द्वारा तालाबंदी घोषित की गई हो;
 - सक्षम न्यायालय अथवा सांविधानिक प्राधिकरण ने कार्य बंद करने का निर्देश दिया हो।
- ग) व्यूरो को लाइसेंस रद्द करने से पूर्व लाइसेंसधारी को इस आशय का चौदह दिन से अधिक का नोटिस देना होगा कि व्यूरो लाइसेंस को रद्द करने का इरादा रखता है।
- घ) इस प्रकार के नोटिस मिलने पर लाइसेंसधारी को नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर अपनी ओर से व्यूरो को स्पष्टीकरण देना होगा। यदि स्पष्टीकरण दे दिया जाता है तो व्यूरो स्पष्टीकरण पर विचार कर सकता है और ऐसा स्पष्टीकरण मिलने की तिथि के चौदह दिनों के भीतर अथवा नोटिस के समाप्त होने से पूर्व, जो भी समय अधिक हो, लाइसेंसधारी की सुनवाई करनी होगी।
- ङ) यदि कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो व्यूरो नोटिस समाप्त होने पर लाइसेंस को रद्द कर सकता है।
- च) लाइसेंस को निरस्त अथवा रद्द करने पर अथवा उसकी वैधता की अवधि समाप्त होने पर उसका नवीकरण न किए जाने पर लाइसेंसधारी को मानक मुहर का उपयोग बंद करना होगा, चाहे फिर

अधिनियम की धारा 16 के अंतर्गत केन्द्र सरकार के समक्ष कोई अपील लंबित ही क्यों न पड़ी हो । यदि लाइसेंसधारी अथवा एजेंटों के पास कोई माल स्टॉक में पड़ा हो, जो अनुचित तरीके से मुहरांकित हो, तो ऐसे माल को लाइसेंसधारी अथवा एजेंट को माल पर से मानक मुहर को हटाने, रद्द करने, निरूपित करने अथवा समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे ।'

ख) उपविनियम (7) में खंड (बी) के स्थान पर निम्नलिखित से विस्थापित किया जाए :

'ख) यदि किसी समय ब्यूरो के पास पर्याप्त प्रमाण हुआ कि मानक मुहर वाला उत्पाद भारतीय मानक के अनुरूप नहीं है तो लाइसेंसधारी को ऐसे उत्पाद पर मुहर न लगाने के निर्देश दिए जा सकते हैं । इस तरह के प्रमाण इस तक सीमित नहीं होंगे, बल्कि इसमें निम्नलिखित एक या अधिक स्थितियाँ शामिल की जा सकती हैं :

- i) फैक्टरी अथवा स्वतन्त्र परीक्षण के बाद निर्धारित उत्पादों की अनुपालनहीनता ।
- ii) परीक्षण एवं निरीक्षण योजना के प्रावधानों को कार्यान्वित न किया जाना ।
- iii) परीक्षण करने वाले कार्मिकों का उपलब्ध न होना तथा किसी वैकल्पिक व्यवस्था का न होना ।
- iv) ब्यूरो के पूर्व मूल्यांकन एवं अनुमोदन के बिना उत्पादन प्रक्रिया, संयंत्र, मशीनरी इत्यादि में महत्वपूर्ण परिवर्तन करना ।
- v) संयंत्र और मशीनरी का पुनर्स्थापन
- vi) फैक्टरी का लम्बे समय तक बंद रहना
- vii) गैर अनुपालन वाले उत्पादों का मुहरांकन
- viii) लाइसेंस में शामिल उत्पादों के अतिरिक्त उत्पादों पर मुहरांकन,

ब्यूरो द्वारा मुहरांकन बहाल करने की अनुमति इस बात की संतुष्टि होने पर की जाएगी कि लाइसेंसधारी ने आवश्यक कार्रवाई की है तथा संबंधित मानक के उत्पाद के अनुपालन के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध हो ।

ग) (i) यदि किसी भी समय लाइसेंसधारी शुल्क का भुगतान नहीं करता है, उसके द्वारा देय निरीक्षण अथवा परीक्षण शुल्क का भुगतान नहीं करता है तो ब्यूरो 14 दिन से अंधिक के नोटिस पर लाइसेंसधारी को उत्पाद पर मुहरांकन रोकने के निर्देश दे सकता है । बकाया राशि के, पूरी तरह से अथवा आंशिक भुगतान के बाद ही, जैसी भी सहमति हो, ब्यूरो द्वारा मुहरांकन बहाल करने की अनुमति दी जाए ।

(ii) जहाँ लाइसेंस के नवीकरण को रोकने का निर्णय लिया गया हो, वहाँ लाइसेंस के नवीकरण का निर्णय लिए जाने तक लाइसेंसधारी का मुहरांकन रोकने का निर्देश दिया जाए ।

(3) उक्त विनियमों में विनियम 7 के लिए निम्नलिखित आएगा :-
 ‘प्रबंध पद्धतियों के लिए लाइसेंस प्रदान करने और नवीकरण के तरीके, शर्तें और शुल्क’

7. प्रमाणन से जुड़ी अन्य सेवाएँ

(1) प्रबंध पद्धतियों

क) लाइसेंस के लिए आवेदन :-

क) प्रबंध पद्धति के लिए लाइसेंस प्रदान करने का प्रत्येक आवेदन ब्यूरो द्वारा निर्दिष्ट फार्म में ब्यूरो को किया जाए । फार्म, आवेदक कम्पनी के प्रोपराइटर, साझेदार अथवा प्रबंध निदेशक द्वारा अथवा कम्पनी की ओर से हस्ताक्षर के लिए घोषित किसी अधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित हो । आवेदन पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति का नाम एवं पदनाम आवेदन फार्म में इसके लिए निर्धारित स्थान पर वैध रूप से अंकित हों ।

ख) प्रमाणन के लिए प्रत्येक आवेदन, ब्यूरो द्वारा निर्दिष्ट प्रारूप में विधिवत रूप से भरी सहायक प्रश्नावली के साथ हो । आवेदन प्रपत्र आवेदक कम्पनी द्वारा तैयार किए गए मैच्युल एवं योजना के साथ तथा कंभनी द्वारा मांगे गए प्रमाणन के लिए घोषित नीति सहित हो ।

ग) ब्यूरो द्वारा निर्धारित शुल्क के साथ तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदक द्वारा जमा किया गया फार्म प्राप्ति की तिथि के अनुसार प्राथमिकता के क्रम में ब्यूरो द्वारा स्वीकृत हो । फीस अप्रतिदेय होगी ।

घ) स्वीकृति के बाद आवेदन ब्यूरो द्वारा सत्यापित होगा और यदि यह क्रम में हो, तो आवेदन आगे बढ़ाने की ब्यूरो की मंशा की सूचना आवेदक को दी जाए ।

ङ) आवश्यक होने पर ब्यूरो आवेदक को योजना के बारे में जानकारी दे तथा आवश्यक होने पर ऐसी ही अधिक जानकारी भी प्राप्त करे ।

च) यदि आवेदक निम्नलिखित एक अथवा उससे अधिक अपेक्षाओं का पालन नहीं करता है तो आवेदन अस्वीकृत किया जा सकता है -

- (1) आवेदन के साथ फीस न होने पर;
- (2) आवेदन प्रपत्र अधूरा होने पर;
- (3) आवेदन के साथ अनुबंध अस्पष्ट होने पर ।

इसके अतिरिक्त व्यूरो किसी भी आवेदक से उसके द्वारा आवेदन में दिए गए किसी बौरे के समर्थन में अथवा उसे पुष्ट करने के लिए कोई सहायक अथवा दस्तावेजी प्रमाण व्यूरो द्वारा निर्दिष्ट समय के भीतर मांग सकता है ।

छ) आवेदन को अस्वीकृत करने का कारण आवेदक को व्यूरो द्वारा सम्प्रेषित किया जाए ।

ज) ऐसी कम्पनी के आवेदन पर विचार नहीं होगा जो भारतीय मानक व्यूरो अधिनियम 1986 की धारा 33 के अधीन दोषी ठहराई गई हो । इनके आवेदन पर दोषी ठहराए जाने की तिथि से न्यूनतम छः माह तक कोई विचार नहीं किया जाएगा । व्यूरो द्वारा अयोग्यता की अवधि की सीमा का निर्धारण प्रत्येक मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया जाएगा और इसकी अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं हो ।

ख) मूल्यांकन विधि - क) यदि आवेदन सही हुआ तो व्यूरो खंड (ख 8) से (च) के अनुसार कार्रवाई करे ।

ख) व्यूरो यदि आवश्यक हो तो आवेदक के परिसर का दौरा कर सकता है ताकि कार्य की मात्रा, प्रकृति और मूल्यांकन की तैयारी की जानकारी तथा मूल्यांकन दल द्वारा अपेक्षित विशेषज्ञता के प्रकार की जानकारी ली जा सके ।

ग) आवेदक के पास प्रलेखित प्रबंध पद्धति होनी चाहिए जो प्रबंध पद्धति पर संबंधित भारतीय मानक(कों) के अनुरूप हों । मूल्यांकन दौरा किए जाने से पूर्व प्रबंध पद्धति पर संबंधित भारतीय मानक से अनुरूपता के लिए व्यूरो द्वारा आवेदक की कम्पनी का प्रबंध पद्धति प्रलेखन का विस्तृत मूल्यांकन किया जाता है । इसके बाद अपेक्षाओं में किसी महत्वपूर्ण भूल अथवा विचलन के बारे में आवेदक को अधिसूचित किया जाता है ताकि मूल्यांकन दौरे से पहले उपयुक्त संशोधन किए जा सकें ।

घ) आवेदक सुनिश्चित करें कि -

1) जिस प्रबंध पद्धति के लिए लाइसेंस मांगा गया हो उससे संबंधित सभी दस्तावेज, मैन्युल और योजना अथवा उसके समकक्ष सहित, व्यूरो को उपलब्ध करवाया गया हो;

- 2) प्रबंध पद्धति(यों) के कार्यान्वयन से संबंधित सभी संबद्ध रिकार्ड ब्यूरो को उपलब्ध करवाए गए हो;
- 3) मूल्यांकन दल को प्रबंध पद्धति का मूल्यांकन करने की अनुमति हो तथा उसमें सहायता की जाए; तथा
- 4) अभिनामित व्यक्ति की नियुक्ति कर प्रबंध पद्धति के लिए ब्यूरो की जिम्मेदारी को स्पष्ट तौर पर परिभाषित किया जाए, ताकि अपेक्षित प्रबंध पद्धति की कार्यविधि के अवलोकन को सुनिश्चित किया जा सके।
- इ) मूल्यांकन दल में लीड ऑडिटर और एक अथवा उससे अधिक यथाआवश्यक आडिटर हो। मूल्यांकन दल में सदस्य के रूप में संबंधित प्रौद्योगिकी क्षेत्र के तकनीकी विशेषज्ञ अथवा अनुभवी की मूल्यांकनकर्ता भी शामिल किए जा सकते हैं।
- घ) मूल्यांकन में ब्यूरो द्वारा निर्धारित अपेक्षाओं के अनुपालन के लिए आवेदक कम्पनी की कार्यविधि की विस्तृत जानकारी शामिल है। आवेदक को प्रलेखित कार्यविधि के व्यावहारिक अनुप्रयोग को दर्शाना होगा। मूल्यांकन दल अनुपालन न किए जाने की पहचान करेगा और सुधार के लिए उसे आवेदक की जानकारी में लाएगा।
- छ) मूल्यांकन दौरे की तिथि एवं समय पार्टियों के बीच (मूल्यांकन दल एवं आवेदक) आपसी सहमति के आधार पर निर्धारित किया जाए।
- ग) मूल्यांकन फीस - (क) मूल्यांकन फीस कम्पनी की गतिविधियों की प्रकृति पर निर्भर है। आवेदक को निर्धारित फीस की सूचना दौरे से पूर्व दी जाए।
- (ख) ब्यूरो द्वारा निर्धारित सारी मूल्यांकन एवं पुनर्मूल्यांकन फीस तथा यात्रा एवं ठहरने की लागत का भुगतान आवेदक को दौरे से पूर्व करना होगा।
- (ग) यदि आवेदन प्रौद्योगिकी के एक क्षेत्र से अधिक अथवा एक से अधिक मानक के लिए हो, तो मूल्यांकन दौरे में आम तौर पर सभी पक्ष शामिल होते हैं।

- (घ) लाइसेंस प्रदान करने के सम्बन्ध में - (क) मूल्यांकन दल मूल्यांकन के बाद प्रबंध पद्धति प्रमाणन योजना को चलाने की आवेदक की क्षमता का विश्लेषण करेगा।
- (ख) प्रबंध पद्धतियों पर जिस संबंधित भारतीय मानक के लिए मूल्यांकन किया गया हो, उसमें दी गई मद्दों अथवा खंडों में से प्रत्येक की रिपोर्ट मूल्यांकन दल द्वारा तैयार की जाए। अनुपालन के दौरान यदि कोई अनुपालन नहीं किया गया पाया जाता है, तो उसकी अधिसूचना लिखित में आवेदक को दी जाए।
- (ग) आवेदक को यह प्रमाण देना होगा कि व्यूरो द्वारा निर्धारित समय के भीतर संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की गई है। व्यूरो पूरा अथवा आंशिक मूल्यांकन कर सकता है अथवा लिखित में यह घोषणा हो सकता है कि सुधारात्मक कार्रवाई की गई है, जिसकी पुष्टि व्यूरो द्वारा निगरानी दौरे में की जाए।
- (घ) लाइसेंस प्रदान करने के लिए मूल्यांकन दल की अनुशंसाओं से संतुष्ट होने पर व्यूरो फार्म III के अनुसार लाइसेंस प्रदान करता है। अनुशंसा करते समय दल मद डी की उपधारा (ए) से (सी) तक के अंतर्गत किए गए मूल्यांकन दो तथा अपेक्षित दक्षता, उपकरण, पद्धति और पूर्व कार्यकारिता तथा लाइसेंस को जारी करने संबंधी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखेगा।
- (ङ) यदि आवेदक यह प्रमाण दे पाता है कि व्यूरो द्वारा निर्धारित समय के भीतर संबंधित सभी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की गई है, तो व्यूरो लाइसेंस देने के लिए मना कर सकता है। तथापि लाइसेंस प्रदान करने के लिए मना करने से पूर्व व्यूरो आवेदक को स्वयं अथवा उसके द्वारा अधिकृत व्यक्ति की ओर से सुनवाई का उपयुक्त अवसर देगा तथा लाइसेंस प्रदान करने के लिए मना करने से पूर्व उसकी ओर से रखे गए तथ्यों अथवा स्पष्टीकरण पर विचार कर सकता है।

- इ) वधनबंध - आवेदन देने से पूर्व आवेदक को इस आशय का वचन देना होगा कि वह कोई सीधा अथवा निहित दावा नहीं करेगा कि लाइसेंस एवं अनुसूची में निर्दिष्ट किए गए के अतिरिक्त किसी उत्पाद, प्रक्रिया अथवा पद्धति से संबंधित लाइसेंस ही प्रदान किया जाएगा ।
- घ) **लाइसेंस प्रदान करना**
- क) पहली बार में लाइसेंस तीन वर्ष की अवधि के लिए दिए जाए । लाइसेंस की स्वीकृति के बारे में ब्यूरो आवेदक को सूचित करेगा ।
- ख) ब्यूरो लाइसेंस प्रदान करने के लिए फार्म III में प्रमाण पत्र देगा, जिसे लाइसेंसधारी द्वारा प्रयुक्त किया जाएगा । जो विनियम 7 के उपनियम (1) की मद एल के प्रावधानों के अधीन होगा । जैसा भी समय-समय पर ब्यूरो द्वारा निर्धारित किया गया हो भुगतान पर प्रमाण पत्र की अतिरिक्त प्रतियाँ उपलब्ध करवाई जा सकती हैं ।
- ग) लाइसेंस त्याग देने, नवीकृत न किए जाने, निलम्बित अथवा रद्द किए जाने की स्थिति में लाइसेंस ब्यूरो को लौटाना होगा ।
- घ) उत्पादों के निर्माण अथवा सेवा प्रदान करने से जुड़े उत्पादों अथवा प्रक्रियाओं के लिए ब्यूरो योजना मूल्यांकन के अनुसार लाइसेंसधारी को प्रबंध पद्धति के रूप में पंजीकृत करेगा ।
- ङ) मद संख्या 'के' के प्रावधानों के अधीन ब्यूरो लाइसेंसधारी को मानक मुहर प्रयुक्त करने के लिए अधिकृत करेगा जैसा कि ब्यूरो द्वारा निर्णय लिया गया हो ।
- छ) **लाइसेंस फीस** - क) लाइसेंस फीस समय-समय पर ब्यूरो द्वारा निर्धारित की जाएगी ।
- ख) आवेदक लाइसेंस फीस लाइसेंस प्रदान करने एवं नवीकरण के समय दे । ऐसी फीस अथवा उसका कोई भाग लौटाया नहीं जाए ।

- ज) **लाइसेंस नवीकरण** - लाइसेंस तीन वर्ष की अवधि के लिए नवीकृत किया जाए। नवीकरण लाइसेंसधारी की क्षमताओं का पुनर्मूल्यांकन कर किया जाता है जिसकी फीस का यहन लाइसेंसधारी करेगा। नवीकृत न किए जाने पर लाइसेंस प्रदान की गई अवधि के बाद समाप्त हो जाएगा।
- झ) **निगरानी एवं नियमित पुनरवालोकन** - (क) लाइसेंस प्रदान करने के बाद निगरानी दौरा होगा। दौरों की आवृत्ति एवं सीमा ब्यूरो निर्धारित करेगा।
- (ख) निगरानी दौरे लाइसेंसधारी की परामर्श से नियोजित किए जाते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पहले से मूल्यांकित की गई पद्धतियों और विधियों को कायम रखा गया है।
- (ग) वहाँ विशेष मूल्यांकन दौरा आवश्यक होगा जहाँ लाइसेंसधारी के संगठन में महत्वपूर्ण परिवर्तन होने पर वह लाइसेंस के नियमों का पालन नहीं करता है। लाइसेंसधारी ऐसे सभी दौरों का व्यय वहन करेगा।
- ट) **प्रबंध पद्धति में परिवर्तन** - (क) लाइसेंसधारी को प्रबंध पद्धति में किसी अभिष्ट परिवर्तन अथवा ऐसे किसी परिवर्तन की सूचना शीघ्रता से ब्यूरो को देनी होगी, जो अपेक्षाओं के अनुपालन को प्रभावित करती हो।
- (ख) लाइसेंसधारी को ब्यूरो के निर्णय को स्वीकार करना होगा कि अभीष्ट परिवर्तनों के लिए पुनर्मूल्यांकन अथवा आगे जाँच की आवश्यकता है अथवा नहीं।
- ठ) **ब्यूरो की मानक मुहर का उपयोग** - लाइसेंसधारी केवल ब्यूरो द्वारा अधिकृत मानक चिह्न का उपयोग करेगा।
- ड) **प्रचार** - (क) ब्यूरो लाइसेंसधारी की सूची रखेगा और उसे सार्वजनिक जानकारी के लिए उपलब्ध करवाएगा।
- (ख) सूची समय-समय पर अद्यतन की जाए।

- (ग) ब्यूरो ऐसे प्रकाशन निकाल सकता है जिसमें लाइसेंसधारी संबंधी जानकारी हो ।
- (घ) लाइसेंसधारी संभावित ग्राहकों, क्रेताओं अथवा क्रेता प्राधिकारियों को लाइसेंसों के पूरे और सही विवरण दे ।
- (ङ) लाइसेंसधारी अपने परिसर में लाइसेंस को प्रदर्शित करे ।
- (च) लाइसेंसधारी अधिकृत की गई ब्यूरो की मानक मुहर का उपयोग करे ।
- (छ) लाइसेंसधारी को प्रलेखन पुस्तिका में अथवा विज्ञापन मीडिया द्वारा यह उल्लेख करना होगा कि जिस संगठन अथवा स्थान के लिए लाइसेंस का आवेदन किया गया है, वह ब्यूरो से मूल्यांकित और स्वीकृत है । प्रबंध पद्धति(यों) पर जिस भारतीय मानक के लिए लाइसेंस प्रदान किया/किए गए हों तथा किसी अन्य स्तर के अनुमोदन का उल्लेख विज्ञापन में करना होगा, जिसमें स्वीकृति समाविष्ट न हो ।
- (ज) जिस लाइसेंसधारी को प्रबंध पद्धति प्रमाणन के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया हो, वह यह दावा अथवा अपेक्षा नहीं कर सकता कि उसके द्वारा उत्पादित उत्पाद ब्यूरो से प्रमाणित अथवा स्वीकृत हो, जब तक कि उसके पास ब्यूरो की उत्पाद प्रमाणन योजना के अंतर्गत उस उत्पाद के लिए वैध लाइसेंस न हो ।
- (इ) **लाइसेंसधारी के उत्तरदायित्व -** प्रबंध पद्धति के लिए लाइसेंसधारी को लाइसेंस दिए जाने पर वह -
 - क) लाइसेंस में दी गई अपेक्षाओं का सदैव पालन करेगा तथा इन विनियमों अथवा उसमें किसी संशोधन का अनुपालन करेगा ।
 - ख) केवल लाइसेंस के अंतर्गत आने वाली सक्षमता से संबंधित लाइसेंस होने का तथा लाइसेंस की अपेक्षाओं के अनुरूप उत्पादों, प्रक्रियाओं

अथवा पद्धतियों से संबंधित लाइसेंस होने का ही दावा कर सकता है ;

- ग) ऐसे किसी तरीके से लाइसेंस का उपयोग नहीं कर सकता जिस पर ब्यूरो को आपत्ति हो तथा वह लाइसेंस के लाइसेंसधारी द्वारा उपयोग के अधिकार से संबंधित कोई ऐसा विवरण नहीं दे सकता, जो भा मा ब्यूरो की विचारधारा के लिए भ्रामक हो ;
- घ) अनुमोदन के लिए ब्यूरो को फार्म जमा करना होगा जिसमें वह अपने लाइसेंस का उपयोग प्रस्तावित करे अथवा लाइसेंस का संदर्भ प्रस्तावित करे ।
- ड) लाइसेंस की वैधता समाप्त होने, स्थगन अथवा रद्द होना निश्चित होने पर लाइसेंसधारी को तत्काल उसका उपयोग बंद करना होगा तथा उसके संदर्भ वाले सभी प्रोत्साहन देने वाले तथा विज्ञापन की सामग्री वापिस होगी ।
- च) किसी प्रबंध पद्धति में परिवर्तन न करें जो लाइसेंस प्रदान करने अथवा उसके नवीकरण का आधार तैयार करते हैं तथा जो ब्यूरो के पूर्व अनुमोदन के बिना योजना से उसके अनुपालन को रोकता है ।
- छ) स्वीकृत प्रलेखित पद्धति में कोई संशोधन होने पर ब्यूरो को उसे प्रस्तुत करें ।
- ज) प्रबंध पद्धति में किए गए सभी परिवर्तनों के दस्तावेज तथा ऐसे परिवर्तनों का रिकार्ड निवेदन पर ब्यूरो के अभिनामित अधिकारियों को उपलब्ध करवाए जाएँ । लाइसेंस प्राप्त पद्धति से संबंधित किसी मुख्य अधिकारी के संबंध में परिवर्तन तथा प्रौद्योगिक कार्यों अथवा वरिष्ठ प्रबंध में किए गए परिवर्तन के बारे में लाइसेंसधारी द्वारा ब्यूरो को अधिसूचित किया जाएगा ।

- झ) मूल्यांकन, ऑडिट अथवा निगरानी के लिए व्यूरो द्वारा नियुक्ति दल को अनुमति देगा। लाइसेंसधारी लाइसेंस में शामिल उत्पादों, प्रक्रियाओं अथवा पद्धतियों में दोष के आरोपों से उत्पन्न क्षेत्र में आ रही समस्याओं के लिए की गई कार्रवाई का पूरा विवरण देगा तथा ऐसे विवरण के सत्यापन के लिए सभी संबंधित रिकार्डों और दस्तावेजों को व्यूरो के अधिकारियों को उपलब्ध करवाएगा,
- ट) लाइसेंस में शामिल उत्पाद, प्रक्रियाओं अथवा पद्धतियों को जारी रखने का प्रभाण देना होगा। लाइसेंसधारी व्यूरो को तीन माह से अधिक समय तक ऐसे कार्यों को बंद रहने की सूचना लिखित में देनी होगी। तीन माह से अधिक समय तक लाइसेंस बंद रहने पर लाइसेंस रद्द हो सकता है। ऐसे मामलों में व्यूरो को नया आवेदन करना होगा तथा नया लाइसेंस दिए जाने से पूर्व मूल्यांकन दौरा आवश्यक होगा।
- ठ) व्यूरो द्वारा निर्दिष्ट तरीके से सभी वित्तीय बकायों का भुगतान करना होगा। इसमें बंद किए जाने अथवा रद्द किए जाने की अवधि भी शामिल होगी।
- ण) **लाइसेंस सौंपना** - लाइसेंसधारी किसी भी समय लिखित में व्यूरो को लाइसेंस सौंप सकता है। सौंपे जाने की स्थिति में लाइसेंसधारी को व्यूरो को सभी संबंधित दस्तावेजों के साथ लाइसेंस सौंपना होगा।
- त) **व्यूरो के अधिकार** - अधिनियम की धारा 15 के प्रावधानों के अंतर्गत व्यूरो अपनी स्वैच्छा से निम्नलिखित कर सकता है -
- क) लाइसेंस प्रदान करने अथवा नवीकरण के लिए मना कर सकता है अथवा उसका कार्यक्षेत्र बढ़ा सकता है अथवा संशोधन कर सकता है ताकि लाइसेंस के कार्यक्षेत्र को घटाया जा सके, बशर्ते कि स्थीकृति, नवीकरण, रद्द करने अथवा परिवर्तन की सिफारिश मूल्यांकन दल ने की हो, जिसके लिए व्यूरो के महानिदेशक का निर्णय अंतिम होगा। मद एम के अंतर्गत उत्तरदायित्वों को प्रा करने में असफल रहने पर

नियमित अवलोकन अथवा पुनर्मूल्यांकन के दौरान किया गया मूल्यांकन/ऑडिट रिपोर्ट होगी। ऐसे निर्णयों की सूचना आवेदक अथवा लाइसेंसधारक को लिखित में दी जाएगी।

- ख) निम्नलिखित का अनुपालन न होने के पर्याप्त आधार होने पर ब्यूरो के अधिकारी को लाइसेंस रद्द करने का अधिकार होगा -
- 1) यदि निगरानी से संबंधित अपेक्षाओं का अनुपालन न करना प्रमाणित हो जाए, परंतु लाइसेंस को रद्द करना आवश्यक न समझा गया हो,
 - 2) यदि लाइसेंस का दुरुपयोग किया गया हो;
 - 3) यदि संबंधित दस्तावेजों में संशोधन करने से ब्यूरो संतुष्ट न हो;
 - 4) यदि ब्यूरो द्वारा निर्धारित की गई क्रियाविधि का उल्लंघन किया गया हो;
 - 5) यदि लाइसेंसधारी ब्यूरो के वित्तीय उत्तरदायित्वों को पूरा करने में असफल रहता है; और
 - 6) किसी अन्य आधार पर जो विशेषज्ञ विधि नियमों के अधीन दिए गए हों अथवा लाइसेंसधारी अथवा ब्यूरो के बीच जिन पर औपचारिक सहमति हो।
- ग) इस संतुष्टि के उपरांत ब्यूरो निलम्बन को रद्द कर सकता है कि ब्यूरो द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर कमियों को दूर करने के लिए लाइसेंसधारी ने आवश्यक कार्रवाई की है।
- घ) किसी लाइसेंस को निलम्बित अथवा रद्द करने से पूर्व ब्यूरो लाइसेंसधारी को लाइसेंस को निलम्बित अथवा रद्द किए जाने का चौदह दिन से अधिक का नोटिस देगा।

- इ) इस प्रकार का नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर लाइसेंसधारक को अपनी ओर से ब्यूरो को स्पष्टीकरण देना होगा। यदि स्पष्टीकरण दे दिया जाता है तो ब्यूरो स्पष्टीकरण पर विचार कर सकता है और ऐसा स्पष्टीकरण मिलने की तिथि के चौदह दिनों के भीतर अथवा नोटिस के समाप्त होने से पूर्व, जो भी अधिक हो, लाइसेंसधारी की सुनवाई करनी होगी।
- च) यदि कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो ब्यूरो नोटिस समाप्त होने पर लाइसेंस निलम्बित अथवा रद्द कर सकता है।
- छ) लाइसेंस को रिरस्त अथवा रद्द किए जाने पर अथवा उसकी वैधता की अवधि समाप्त होने पर उसका नवीकरण न किए जाने पर लाइसेंसधारी को मानक मुहर का उपयोग तत्काल बंद करना होगा, चाहे फिर अधिनियम की धारा 16 के अंतर्गत केन्द्र सरकार के समक्ष कोई अपील लंबित ही क्यों न पड़ी हो।
- ज) यदि लाइसेंसधारी निर्दिष्ट अवधि अथवा उपयुक्त समय के भीतर ऐसी कमियों को दूर नहीं कर पाता है, जिनके कारण लाइसेंसधारी इस योजना की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं कर पाता है तो लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। ऐसे मामले में लाइसेंस रद्द किए जाने पर लाइसेंसधारी को नया लाइसेंस प्रदान करने के लिए इन विनियमों में निर्दिष्ट विधि का अनुसरण करते हुए नया आवेदन देना होगा।
- थ) **लाइसेंस का दुरुपयोग** - लाइसेंसधारी को लाइसेंस का दुरुपयोगी तब माना जाएगा, यदि वह निम्नलिखित के बाद किसी भी तरह से लाइसेंस से छेड़छाड़ करता है अथवा उसे दर्शाना बंद नहीं करता है अथवा लाइसेंस और ब्यूरो की मानक मुहर का अन्यथा उपयोग बंद नहीं करता है -
- क) लाइसेंस सौंपना अथवा निरस्त अथवा रद्द किया जाना; अथवा लाइसेंस की वैधता अवधि समाप्त होना।
- ख) लाइसेंसधारी ने अपनी प्रबंध पद्धति में परिवर्तन किया हो, जो ब्यूरो द्वारा रखीकार न किया गया हो तथा जो लाइसेंस के लिए लाइसेंसधारी की योग्यता को कहीं प्रभावित करने वाला हो।

- ग) लाइसेंसधारी व्यूरो द्वारा सुझाए गए परिवर्तनों को कार्यान्वयित करने में विफल हुआ हो अथवा व्यूरो द्वारा बतलाई गई अनुपालनहीनता को सही करने के लिए उसके द्वारा सुधारात्मक कार्रवाई न की गई हो ।
- घ) ऐसी अन्य कोई परिस्थितियाँ जिनसे लाइसेंसधारी की प्रबंध पद्धति पर कहीं प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो ।
- ड) जब मानक मुहर को प्रबंध पद्धति के लिए निर्दिष्ट किया गया हो, तो लाइसेंस रखने वाले लाइसेंसधारी को छोड़कर कोई अन्य व्यक्ति किसी विज्ञापन, बिक्री बढ़ाने वाले लीफलैट द्वारा, मूल्य सूची अथवा इसी तरह की सूची द्वारा कोई ऐसा सार्वजनिक दावा नहीं कर सकता कि उसकी प्रबंध पद्धति संबंधित भारतीय मानक के अनुरूप है अथवा न ही वह मानक मुहर का उपयोग कर सकता है ।
- द) अपील - व्यूरो के किसी निर्णय के विरुद्ध अपील अधिनियम की धारा 16 के प्रावधानों और उसके अंतर्गत बने नियमों के अंतर्गत की जाए ।

प्रपत्र III

[देखें विनियम 7(1) (घ) (घ)]

भारतीय मानक व्यूरो

प्रबंध पद्धति प्रमाणन के लिए लाइसेंस

लाइसेंस सं. क्यूएससी/एल

1. भारतीय मानक व्यूरो अधिनियम 1986 (1986 का 63) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधिकार से व्यूरो एतद्वारा _____ को (इसके आगे लाइसेंसधारी कहा जाएगा) अधिकार एवं लाइसेंस प्रदान करता है, जिसे आगे दी गई अनुसूची में विशेष रूप से निर्दिष्ट, जिस पर इस लाइसेंस का ही नम्बर हो, उत्पाद अथवा प्रक्रिया के संदर्भ में व्यूरो के लाइसेंसधारी के प्रबंध प्रमाणन पद्धति के रजिस्टर में सूचीबद्ध किया जाएगा । ऐसे उत्पाद लाइसेंसधारी द्वारा केवल ऊपर दिए गए पते पर तथा IS _____ के अनुरूप प्रबंध पद्धति के अंतर्गत ही उत्पादित किए जाएँ ।

2. यह लाइसेंस इस शर्त के अधीन दिया गया है कि उपरोक्त अधिनियम तथा उसके अधीन बने नियमों एवं अधिनियमों के संबंधित प्रावधानों, जो उपरोक्त के संदर्भ में लाइसेंस पर लागू हैं का पालन किया जाएगा तथा लाइसेंसधारी व्यूरो के साथ एतद्वारा प्रतिज्ञाबद्ध है कि वह उल्लिखित नियमों एवं विनियमों का विधिवत पालन करेगा ।

3. यह लाइसेंस ————— से ————— तक वैध होगा और विनियमों में निर्दिष्ट के अनुसार इसका नवीकरण किया जाएगा ।

———— के दिन दिनांक ————— को हस्ताक्षरित, मोहरबंद

कृते भारतीय मानक ब्यूरो

लाइसेंस सं. ————— का शैड्यूल
———— को जारी

अनुसूची

प्रबंध * पद्धति प्रमाणन के लिए जिस उत्पाद/प्रक्रिया के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया है :

————
————
————
————

* 'यहाँ उपयुक्त प्रबंध पद्धति को सम्मिलित किया जाए ।'

(4) उक्त विनियमों में विनियम 8 निकाल दिया जाए ।

[फा. सं. भा मा ब्यूरो/इसी/आरइजी/6]

संतोष नौटियाल, महानिदेशक

टिप्पणी : प्रमुख विनियम भारत सरकार के राजपत्र संख्या साकानि 10(ई) दिनांक 6 जनवरी 1988 में प्रकाशित हुए थे तथा तत्पश्चात् साकानि 524(ई) दिनांक 9 अगस्त 1991, भा मा ब्यूरो/इसी/आरइजी/6 दिनांक 27 सितम्बर 1994, साकानि 634(ई) दिनांक 4 नवम्बर 1997 और साकानि 199(ई) दिनांक 11 मार्च 1999 द्वारा इसमें संशोधन किया गया ।

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Bureau of Indian Standards)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th July, 2002

G.S.R. 531(E)— In exercise of the powers conferred by section 38 of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986), the Executive Committee of the Bureau of Indian Standards, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, namely:-

1. (1) These regulations may be called the Bureau of Indian Standards (Certification) Amendment Regulations, 2002.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988 (hereinafter referred to as the said regulations), -

(1) After regulation 2 for the heading "MANNER, CONDITION, RATES OF FEE FOR GRANT AND RENEWAL OF LICENCE (EXCEPT FOR QUALITY SYSTEM AND ENVIRONMENTAL MANAGEMENT SYSTEM)", the following heading shall be substituted, namely:-

"MANNER, CONDITION, RATES OF FEE FOR GRANT AND RENEWAL OF LICENCE (EXCEPT FOR MANAGEMENT SYSTEMS)".

(2) In the said regulations, in regulation 5, -

(a) for sub-regulation (5), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

"(5)(a) Any licence granted by the Bureau may be cancelled by it, if it is satisfied that the -

(i) articles marked with the Standard Mark under a licence do not comply with the related Indian Standard or Standards; or

(ii) licensee had used the mark in respect of a process which does not come up to the related Indian Standard or Standards; or

- (iii) licensee failed to provide reasonable facilities to any Inspecting Officer to enable him to discharge the duties imposed on him; or
- (iv) licensee has failed to comply with any of the terms and conditions of the licence.
- (b) A licence may be suspended by the Bureau on request from the licensee, if the operation(s) in his premises can no longer be carried due to:
- (i) natural calamities such as flood, fire, earthquake etc;
 - (ii) a lock out declared by the licensees, management;
 - (iii) closure of operations directed by a competent court or statutory authority.
- (c) Before the Bureau cancels any licence, it shall give the licensee not less than fourteen days' notice of its intention to cancel the licence.
- (d) On the receipt of such notice, the licensee may submit an explanation on his behalf to the Bureau within seven days from the receipt of the notice. If an explanation is submitted, the Bureau may consider the explanation and give a hearing to the licensee within fourteen days from the date of receipt of such explanation or before the expiry of the notice whichever is longer.
- (e) If no explanation is submitted, the Bureau may, on the expiry of period of the notice, cancel the licence.
- (f) Where a licence has been suspended or cancelled, or the term thereof has not been renewed on the expiry of the period of its validity, the licensee shall discontinue forthwith the use of the Standard Mark notwithstanding the pendency of any appeal before the Central Government under section 16 of the Act and if there be, with the licensee or his agents, any articles in stock which have been improperly marked, the licensee or his agents as the case may be, shall take necessary steps to get the Standard Mark on such articles either removed, cancelled, defaced or erased."
- (b) In sub-regulation (7), for clause (b), the following clauses shall be substituted, namely:-
- "(b) If, at any time, the Bureau has sufficient evidence that the product carrying the Standard Mark may not be conforming to the Indian Standard, the licensee shall be directed to Stop Marking of such

product. Such evidence is not limited to, but may include one or more of the following situations:

- (i) non conformance of products established after factory or independent testing
- (ii) non-implementation of the provision(s) of the Scheme of Testing and Inspection
- (iii) non-availability of testing personnel and no alternate arrangements made
- (iv) significant modification(s) in the manufacturing process, plant, machinery etc without prior evaluation and approval of the Bureau
- (v) relocation of plant and machinery
- (vi) prolonged closure of factory
- (vii) marking non-conforming products
- (viii) marking on products other than those included in the licence.

The resumption of marking shall be permitted by the Bureau after satisfying itself that the licensee has taken necessary actions and sufficient evidence is available about the conformity of the product to the relevant standard.

- (c) (i) The Bureau may, after serving a notice of not less than fourteen days, direct the licensee to Stop Marking the product if at any time, the licensee has not paid the fees, inspection or test charges payable by him. The resumption of marking shall be permitted after the dues have been paid in full or in part as agreed by the Bureau.
- (ii) Where a decision has been taken to defer the renewal of a licence, the licensee shall be directed to Stop Marking his product till such time as decision is taken to renew the licence.”.

(3) In the said regulations, for regulation 7, the following regulation shall be substituted, namely:-

“MANNER, CONDITION AND FEES FOR GRANT AND RENEWAL OF LICENCE FOR MANAGEMENT SYSTEMS

7. Other Services Associated to Certification

(1) Management Systems**A. Application for Licence -**

- (a) Every application for the grant of licence for Management Systems certification shall be made to the Bureau in the Form specified by the Bureau, which shall be signed by the proprietor, partner or the Managing Director of the applicant firm or by any person authorized to sign declaration on behalf of the firm. The name and designation of the person signing the application shall be recorded legibly in the space set apart for the purpose in the application form.
- (b) Every application for certification shall be accompanied by supplementary questionnaire duly filled in the Form specified by the Bureau. The application shall also be accompanied by a Manual and Plan as prepared by the applicant firm and the policy declared by the applicant firm for the system for which certification is sought.
- (c) The application form along with fee decided by the Bureau and other necessary documents submitted by the applicant shall be acknowledged and numbered by the Bureau in the order of priority according to the date of the receipt. The fee shall be non-refundable.
- (d) After acknowledgement, the application shall be verified by the Bureau, and if it is in order, the applicant shall be informed of the intention of the Bureau to proceed with the application.
- (e) If required, the Bureau shall provide to the applicant the information about the scheme and also obtain such further information from him, if necessary.
- (f) An application may be rejected if the applicant does not comply with one or more of the following requirements -
 - (i) application fee not accompanying the application;
 - (ii) application form is incomplete;
 - (iii) annexures to the application are not clear.

In addition, the Bureau may call for any supplementary information or documentary evidence from any applicant in support of or to substantiate any statement made by him in his application, within such time as may be directed by the Bureau.

- (g) The reason for rejection of the application shall be communicated to the applicant by the Bureau.
- (h) The application for a licence by a firm which has been convicted under section 33 of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 shall not be entertained for a minimum period of six months from the date of such conviction. The extent of the period of disqualification shall be determined by the Bureau having regard to the facts and circumstances of each case and it shall not exceed a maximum period of one year.

B. Assessment Procedure - (a) If the application is in order, then the Bureau shall proceed as per clauses (b) to (f).

- (b) The Bureau may, if necessary, arrange a visit to the premises of the applicant to acquaint itself about size, nature of operation and readiness for the assessment and the type of expertise required by the assessment team.
- (c) The applicant is required to have a documented management system, which conforms to the relevant Indian Standard(s) on management systems. Before an assessment visit is made, a detailed appraisal of the applicant firm's management system documentation for conformance with the relevant Indian Standard on the management systems shall be undertaken by the Bureau. The applicant shall then be notified about any significant omissions or deviations from the requirements to make suitable amendments prior to the assessment visit.
- (d) The applicant shall ensure that -
 - (i) all documentation relating to the management system(s) for which the licence is sought, including the Manual and Plan or its equivalent is made available to the Bureau;
 - (ii) all relevant records relating to implementation of the management system(s) are made available to the Bureau;
 - (iii) the assessment team is permitted and assisted to undertake assessment of the management system; and
 - (iv) responsibility to the Bureau for the management system(s) is clearly defined by appointing a designated person to ensure that the required management system procedures are observed.

- (e) The assessment team shall comprise lead auditor and one or more auditors as deemed necessary. The assessment team may also include technical expert(s) or experienced assessors in the concerned technology area as member.
- (f) The assessment shall involve an in-depth appraisal of the applicant firm's procedures for the conformance to the requirements decided by the Bureau. The applicant shall be required to demonstrate the practical application of the documented procedures. The assessment team shall identify the non-conformance and bring them to the notice of the applicant for rectification.
- (g) Date(s) and time of the assessment visit shall be decided on mutual agreement between the parties (assessment team and the applicant).

C. Assessment fees - (a) Assessment fee depends upon the nature of the activities of the firm. The fee determined shall be intimated to the applicant prior to the visit.

- (b) All assessment and reassessment fee determined by the Bureau and cost of travel and stay shall be paid by the applicant firm prior to the visit .
- (c) If the application, is in respect of more than one area of technology or for more than one standard, the assessment visit normally covers all aspects.

D. Factors for the grant of licence - (a) The assessment team after the assessment shall analyse the capability of the applicant to operate the Management Systems Certification Scheme.

- (b) The assessment team shall prepare a report against each of the items or clauses given in the relevant Indian Standard(s) on Management Systems against which the assessment has been carried out. The applicant shall be notified in writing the non-conformities, if any, observed during the assessment.
- (c) The applicant shall produce evidence that corrective actions have been taken to meet all the relevant requirements within the time limits specified by the Bureau. The Bureau may undertake a full or partial reassessment or accept written declaration that corrective action has been taken, to be confirmed by the Bureau during a surveillance visit.

- (d) When the Bureau is satisfied with the recommendations of the assessment team for grant of licence, the same shall be granted, as per Form III. While making the recommendations, the team shall take into account the assessment made under sub-clause (a) to (c) of item-D and also the requisite skill, equipment, systems resources, previous performance and antecedents relevant to the issuance of the licence.
- (e) If the applicant is not able to produce evidence that corrective actions have been taken to meet all the relevant requirements within the time limits specified by the Bureau, the Bureau may refuse to grant the licence. However, before refusing to grant the licence, the Bureau shall give a reasonable opportunity to the applicant of being heard either in person or through a representative authorized by him in this behalf and may take into consideration any fact or explanation urged on behalf of the applicant before refusing to grant the licence.

E. Undertaking - Prior to grant of licence, the applicant shall sign an undertaking to the effect that he will make no claim direct or implied that the licence to be granted relates to any products, processes or systems other than those that will be set out in the licence and the Schedule.

F. Grant of licence

- (a) The licence shall be granted for a period of three years in the first instance. The Bureau shall inform the applicant about the grant of licence.
- (b) The Bureau shall provide a certificate for grant of licence in Form III which shall be used by the licensee subject to the provision of item-L of sub-regulation (1) of Regulation 7. Additional copies of certificate may be provided on payment as determined by the Bureau from time to time.
- (c) The licence shall be returned to the Bureau in the event of its being surrendered, not renewed, suspended or cancelled.
- (d) The Bureau shall register the licensee as having a management system in accordance with the scheme's assessment requirements for the products or processes involved in manufacturing the product or providing a service.
- (e) The Bureau shall authorise the licensee to use, subject to the provisions of item K, the Standard Mark as decided by the Bureau.

G. Licence fee - (a) The licence fee shall be determined by the Bureau from time to time.

- (b) The licence fee shall be paid by the applicant at the time of grant and renewal of licence. No such fee or part thereof shall be refunded.

H. Renewal of licence - The licence may be renewed for a period of three years. The renewal will be done by re-assessing the capabilities of the licensee, the fee of which shall be borne by the licensee. The licence shall expire after the period for which it is granted, if not renewed.

I. Surveillance and regular review - (a) The grant of licence shall be followed by surveillance visits. The frequency and extent of visits shall be determined by the Bureau.

- (b) The surveillance visits may be planned in consultation with the licensee to ensure that the management systems and procedures already assessed are being maintained.
- (c) Special assessment visit shall be necessary where a licensee fails to observe the conditions of the licence or where there have been significant changes in the organization of the licensee. The licensee shall be liable for the costs of all such visits.

J. Changes in the management system - (a) The licensee shall inform the Bureau promptly about any intended changes in the management system or other changes which may affect conformance to the requirements decided by the Bureau.

- (b) The licensee shall accept the decision of the Bureau as to whether the intended changes require reassessment or further investigation.

K. Use of Bureau's Standard Mark - The licensee may use the standard mark only as authorized by the Bureau.

L. Publicity - (a) The Bureau shall maintain a list of licensees and make it available for public information.

- (b) The list shall be updated periodically.
- (c) The Bureau may bring out publications containing information regarding licensees.
- (d) The licensee shall inform potential customers, purchasers or purchasing authorities, of the full and exact details of the licence.

- (e) The licensee shall display the licence in his premises.
- (f) The licensee shall make use of the Bureau's Standard Mark as authorized.
- (g) The licensee shall state in documentation brochures or through advertising media that the organization or location to which the licence applies have been assessed and approved by the Bureau. In such advertisement the Indian Standard(s) on Management Systems(s) for which a licence has been granted is/are to be stated and any other level(s) of approval than granted is not to be implied.
- (h) A licensee who has been granted a licence for management system certification shall not claim or imply that the product manufactured by him has been certified or approved by the Bureau unless he is holding a valid licence for that product under the recognized product certification scheme of the Bureau.

M. Obligations of the licensee- A licensee on grant of certification for management systems shall, -

- (a) at all times comply with the requirements of the licence as set out therein and comply with these regulations or any amendments thereto;
- (b) only claim that he is holding a licence in respect of the capability which is the subject of the licence and which relates to the products, processes or systems in accordance with the licence requirements;
- (c) not use the licence in any manner to which the Bureau may object and shall not make any statement concerning the authority of the licensee's use of the licence which in the opinion of the BIS may be misleading;
- (d) submit to the Bureau for approval the form in which he proposes to use his licence or proposes to make references to the licence.
- (e) upon expiry of its period of validity, suspension, or termination of the licence, however determined, discontinue its use forthwith and withdraw all promotional and advertising matter which contains any reference thereto;
- (f) not make any change in the Management System which forms the basis for the grant or renewal of the licence and which prevents

his compliance with the Scheme without prior approval of the Bureau;

- (g) submit to the Bureau any amendments to the approved documented System;
- (h) document all changes made to the Management System and make records of such changes available to Bureau's designated officers on request. A change in key personnel in relation to management of the licenced systems and technological functions or senior management shall be notified to the Bureau by the licensee;
- (i) permit access to a team appointed by the Bureau for purposes of assessment, audit or surveillance. The licensee shall give full details of all actions taken in response to field problems arising from allegations of defects in products, processes or systems covered in the licence and allow Bureau's officers access to all relevant records and documents for the purpose of verifying such details;
- (j) be required to produce evidence of continuing operations for the products, processes or systems covered by the licence. Licensee shall notify the Bureau in writing of discontinuance in such operations exceeding three months. Discontinuance of a licence in excess of six months or more may lead to cancellation of licence. In such cases, a fresh application shall be submitted to the Bureau and an assessment visit will be necessary prior to grant of a new licence;
- (k) pay all financial dues to the Bureau, in the manner specified by it, even for the period of discontinuance or suspension of licence.

N. Surrender of licence - A licence may be surrendered by the licensee at any time in writing to the Bureau. In the case of surrender, the licensee shall return the licence with all the related documents to the Bureau.

O. Powers of the Bureau - The Bureau may at its discretion under the provisions of section 15 of the Act, -

- (a) Refuse to grant or renew a licence or extend its scope or cancel or alter so as to reduce the scope of the licence provided that the refusal for grant, renewal, cancellation or alteration is a recommendation of the assessment team to which a decision by the Director General of the Bureau shall be conclusive. The refusal to renew or cancel a licence for failure to discharge the obligations under item-M, shall be based on the report of assessment/audit

during surveillance and regular review or reassessment. Such decisions shall be communicated to the applicant or licensee in writing.

- (b) Any authorized officer of the Bureau shall be entitled to suspend a licence if there are sufficient grounds of non-compliance of the following, -
 - (i) if surveillance proves non-conformity to the relevant requirements but immediate termination is not considered necessary;
 - (ii) if improper use of the licence is made;
 - (iii) If related documents are not corrected to the Bureau's satisfaction;
 - (iv) if there has been any contravention of procedures set out by the Bureau;
 - (v) if the licensee fails to meet financial obligations to the Bureau; and
 - (vi) on any other grounds specifically provided for under the procedures, rules or formally agreed between the licensee and the Bureau.
- (c) The Bureau may revoke suspension of a licence after satisfying itself that the licensee has taken necessary actions to remove the deficiencies within time limits specified by the Bureau.
- (d) Before the Bureau suspends or cancels any licence, it shall give the licensee not less than fourteen days notice of its intention to suspend or cancel the licence.
- (e) On the receipt of such notice, the licensee may submit an explanation on his behalf to the Bureau within seven days from the receipt of the notice. If an explanation is submitted, the Bureau may consider the explanation and give a hearing to the licensee within fourteen days from the date of receipt of such explanation or before the expiry of the notice whichever is longer.
- (f) If no explanation is submitted, the Bureau may on the expiry of period of the notice, suspend or cancel the licence.

- (g) Where a licence has been suspended or cancelled or has not been renewed on the expiry of the period of its validity, the licensee shall discontinue forthwith the use of the licence notwithstanding the pendency of any appeal before the Central Government under section 16 of the Act and shall return the licence and related documents to the Bureau.
- (h) Where the licensee is unable in the specified period or reasonable period of time, to rectify any deficiencies which make the licensee unable to comply with the requirements of this scheme, the licence may be cancelled. Cancellation of the licence in such case shall require the licensee to lodge a fresh application followed by the procedure prescribed in these regulations for the grant of a new licence.

P. Misuse of licence - The licensee shall be deemed to have misused the licence, if he tempers with the licence in any manner or does not cease to display or otherwise use the licence and the Bureau's Standard Mark immediately after, -

- (a) Surrender of licence or its suspension or cancellation; or expiry of period of validity of the licence.
- (b) The licensee has made a change to its Management System which has not been accepted by the Bureau and which could reasonably be expected to affect the licensee's qualification for licence;
- (c) The licensee has failed to implement changes as advised by the Bureau or failed to take corrective actions on the non-conformities pointed out by the Bureau.
- (d) Any other circumstances arising which could reasonably be expected to affect adversely the Management System of the licensee.
- (e) When a Standard Mark has been specified in respect of a management system, no person other than the licensee in possession of a valid licence shall make any public claim, through any advertisement, sales promotion leaflets, price lists or the like that his management system conforms to the relevant Indian Standard or use the Standard Mark.

Q. Appeals - Appeals against any decision of the Bureau shall be made under the provisions of section 16 of the Act, and the rules made thereunder.

FORM III
[see regulation 7(1)(D)(d)]

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

LICENCE FOR THE MANAGEMENT SYSTEMS CERTIFICATION

Licence No. QSC/L –

1. By virtue of the power conferred on it by, the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986), the Bureau hereby grants to _____

(hereinafter called the licensee) the right and licence to be listed in the Bureau's register(s) of Licensees of Management* Systems Certification in respect of the products or processes particularly described in the Schedule hereto, bearing the same number as this licence. Such products shall be manufactured by the Licensee at only the address(es) given above, and under the Management* System in accordance with IS _____

2. The licence is granted subject to the relevant provisions of the above Act and the rules and regulations made thereunder governing the licences referred to above, and the licensee hereby covenants with the Bureau duly to observe with the said rules and regulations.

3. This licence shall be valid from _____ to _____ and may be renewed as prescribed in the regulations.

Signed, Sealed and Dated this _____ day of

for BUREAU OF INDIAN STANDARDS

Schedule to Licence No. _____
Issued to _____

SCHEDULE

Products/processes with respect to which the firm has been granted the licence for Management* Systems Certification :

*Appropriate Management System to be inserted here."

- (4) In the said regulation, regulation 8 shall be deleted.

[F No BIS/EC/REG/6]

S NAUTIYAL, Director General

Note: The principal regulations were published in the Gazette of India vide number GSR 10(E) dated 6 January 1988 and subsequently amended vide number GSR 524(E) dated 9 August 1991, BIS/EC/REG/6 dated 27 September 1994, GSR 634(E) dated 4 November 1997 and GSR 199(E) dated 11 March 1999.